University in News on 25 September 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

पेटेंट पर शिक्षक के साथ लविवि का भी होगा नाम

इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी की नीति में बदलाव, पेंटेट आवेदन की फीस विवि देगा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी की नीति में बदलाव करने का फैसला किया है। अब मिलने वाले पेटेंट पर यहां के शिक्षकों के साथ लविवि का भी नाम होगा। इसके साथ ही पेटेंट के आवेदन विश्वविद्यालय के माध्यम से होंगे और वही इसकी फीस भी भरेगा। इससे जहां शिक्षकों को फीस का भुगतान नहीं करना होगा तो लविवि के खाते में ज्यादा पेटेंट दर्ज हो सकेंगे।

अभी तक जारी व्यवस्था में किसी भी पेटेंट या कॉपीराइट पर अधिकार उसे फाइल करने वाले शिक्षक का होता है। इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी की नई नीति के अनुसार यह माना जाएगा कि शोध कार्य या पेटेंट लविवि में काम करते हुए शिक्षक ने हासिल किए हैं, इसलिए इस पर विश्वविद्यालय का भी अधिकार होगा। जब यह मुद्दा उठाया गया तो शिक्षकों का कहना था कि पेटेंट के लिए भारी फीस अदा करनी होती है।

ऐसे में यह फीस भी लविवि को ही भरनी चाहिए। एकेडमिक काउंसिल के साथ कार्य परिषद ने भी इस पर मुहर लगा दी। इसके बाद यह व्यवस्था व्यवहार में आ गई है।

पेटेंट के आवेदन विश्वविद्यालय के माध्यम से होंगे, कार्य परिषद की ओर से भी लगाई गई मुहर

सहयुक्त कॉलेजों के शोधपत्र पर होगा लविवि का नाम

लविवि के साथ इसके सहयुक्त कॉलेज के शिक्षक भी शोधपत्र का प्रकाशन करते हैं। शिक्षकों के प्रमोशन के साथ पीएचडी के दौरान भी शोधपत्र का प्रकाशन अनिवार्य है। इस पर शिक्षक या शोधार्थी के साथ संस्थान का नाम भी होता है। इसे देखते हुए अब कॉलेज से प्रकाशित होने वाले शोधपत्रों में भी लविवि का नाम होगा।

केजीएमयू की प्रस्तावित नीति में भी यही व्यवस्था

लविवि के साथ किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी की इसी नीति पर काम कर रहा है। इसमें पेटेंट पर शिक्षक के बजाय संस्थान का दावा रहेगा। पेटेंट के लिए आवेदन संस्थान के माध्यम से ही करने की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है।

ज्यादा पेटेंट के खुलेंगे रास्ते

“ लविवि की इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी की नई नीति में कई बदलाव किए गए हैं। पेटेंट पर शिक्षक के साथ लविवि का भी नाम होगा। इसका आवेदन शुल्क विश्वविद्यालय की ओर से उठाए जाने से शिक्षक पर कम भार होगा और ज्यादा पेटेंट के लिए रास्ते खुलेंगे।

– डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता लविवि

डीन छात्र कल्याण टीम ने सुनीं समस्याएं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के डीन छात्र कल्याण की टीम ने रविवार को विवि छात्रावास का दौरा किया। डीएसडब्ल्यू प्रो. संगीता साहू ने छात्रों को आश्वासन दिया कि एक सप्ताह में सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी। यह भी कहा कि छात्रों को परिसर में शालीनता और शांति बनाए रखनी होगी। टीम ने कमरे, मेस, कुकिंग एरिया, डाइनिंग और कॉमन रूम की भी जांच की। (संवाद)

देश की पूंजी हैं बच्चे

लखनऊ। लविवि से जुड़े पंडित दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने रविवार को चिनहट स्थित रैनबसेरे का दौरा किया। उन्होंने कहा, बच्चे देश की पूंजी हैं। दीन दयाल उपाध्याय के चिंतन में बच्चों की शिक्षा केंद्र में थी। उन्होंने हर मंच से बाल शिक्षा की वकालत की। (संवाद)

NBT PAGE 4

DSW ने LU न्यू कैंपस का किया दौरा

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू की डीएसडब्ल्यू डॉ. संगीता साहू और उनकी टीम ने रविवार को एलयू के न्यू कैंपस का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने कॉमन हॉला समेत लॉ वॉयज हॉस्टल, लावण्य गर्ल्स हॉस्टल और डॉ. वीआर अंबेडकर लॉ गर्ल्स हॉस्टल में स्टूडेंट्स को मिली रहीं सुविधाओं को परखा। डीएसडब्ल्यू ने मौके पर स्टूडेंट्स से बातचीत भी की और एक सप्ताह के भीतर सभी समस्याएं दूर करने का आश्वासन दिया।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू द्वितीय परिसर का निरीक्षण किया

लखनऊ। डीन छात्र कल्याण की टीम ने रविवार को जानकीपुरम स्थित एलयू द्वितीय परिसर के सभी छात्रावासों का निरीक्षण किया। टीम ने कमरों, मेस, कुकिंग एरिया, डाइनिंग व कॉमन रूम की जांच की। डीएसडब्ल्यू प्रो. संगीता साहू ने छात्रों के लिए कॉमन हॉल में आधुनिक सुविधाओं के साथ संशोधनों का सुझाव दिया। छात्रों ने मेस में पहले से बेहतर सुधार होने की बात कही।

JAGRAN CITY PAGE III

एम.एसडब्ल्यू कोर्स की चौथी मेरिट

जासं, लखनऊ: विश्वविद्यालय ने एम.एसडब्ल्यू पाठ्यक्रम में खाली सीटों के सापेक्ष चौथी मेरिट सूची जारी कर दी है। इस सूची के अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग 26 सितंबर को एकेडमिक ब्लाक ए-2 के कमरा नंबर 341 में सुबह 10 बजे से शुरू होगी। इसमें सामान्य अभ्यर्थियों की फीस 8405 रुपये और दिव्यांगों के लिए 4105 रुपये है।

आज होगा सत्यापन

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में संचालित एमबीए पाठ्यक्रम में इस सत्र में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं के अभिलेखों का सत्यापन सोमवार को होगा। इन छात्र-छात्राओं का ओरिएंटेशन कार्यक्रम 26 व 27 सितंबर को सुबह 10 बजे विभाग में होगा। विभाग की हेड प्रोफेसर संगीता साहू ने इसकी सूचना वेबसाइट पर जारी की है। (जासं)

प्रोफेसर मनोज बने निदेशक

लखनऊ : लखनऊ विवि के भौतिक विज्ञान विभाग में तैनात प्रो. मनोज शर्मा को इंस्टीट्यूट फार डेवलपमेंट आफ एडवांस कंप्यूटिंग ओएनजीसी-सीएएस का निदेशक बनाया गया है। उनका कार्यकाल तीन साल के लिए होगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अनुमति के बाद कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। (जासं)

चार नए शिक्षक शामिल

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) की संशोधित टीम की सूची जारी की है। इनमें चार नए शिक्षकों को बाटनी विभाग से डा. आदित्य आभा सिंह, अंग्रेजी से डा. विनीत मैक्सवेल डेविड, फार्मास्यूटिकल साइंसेज से डा. लुबना आजमी और सांख्यिकी विभाग से डा. शाम्भवी मिश्रा को शामिल किया गया है। (जासं)

AMRIT VICHAR PAGE 4

अवकाश के दिन छात्रावासों का औचक निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : छात्रों की बेहतरी की दिशा में कदम उठाते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय की डीन छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू ने प्राक्टोरियल बोर्ड की टीम के साथ रविवार को छात्रावासों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ सहायक डीएसडब्ल्यू प्रो. अशोक कैथल, डॉ. राहुल पांडे और डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह, अतिरिक्त चीफ प्रोवोस्ट डॉ. राजेश्वर यादव तथा प्रॉक्टोरियल बोर्ड के डॉ. ओपी शुक्ला शामिल रहे।

पूरी टीम विश्वविद्यालय के जानकारीपुरम स्थित छात्रावासों में पहुंची। इस दौरान डीएसडब्ल्यू टीम ने लॉ बॉयज हॉस्टल के छात्रों को आश्वासन दिया कि एक सप्ताह के भीतर सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी और उन्हें परिसर में शालीनता और शांति बनाए रखनी होगी। टीम ने उनके कमरे, मेस, कुकिंग एरिया, डाइनिंग और कॉमन रूम की भी जांच की और उनकी सभी समस्याएं सुनीं। इसके बाद उन्होंने लावण्य गर्ल्स हॉस्टल का दौरा किया और मेस के भोजन की गुणवत्ता की जांच की और मेस मेन्यू के संबंध में छात्राओं से संवाद भी किया। इसके बाद पूरी टीम ने छात्रावास के निर्माण, मरम्मत और रखरखाव की स्थिति की जांच करने के लिए डॉ. बीआर अंबेडकर लॉ गर्ल्स हॉस्टल का निरीक्षण किया।

छात्रावास का निरीक्षण करने पहुंची डीन छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू, साथ में अन्य।

कॉमन हाल में बढ़ेंगी आधुनिक सुविधाएं

डीएसडब्ल्यू डॉ. संगीता साहू ने छात्रों की बेहतरी के लिए कॉमन हॉल में आधुनिक सुविधाओं के साथ कुछ संशोधनों का सुझाव दिया, ताकि वे कॉमन हॉल में गुणवत्तापूर्ण समय बिता सकें और आनंद उठा सकें। उन्होंने छात्रावास की आंतरिक समितियों जैसे अनुशासन, भोजनालय और सांस्कृतिक समितियों पर भी ध्यान दिया और जोर दिया कि इन समितियों की छात्रावास की गतिविधियों में भागीदारी होनी चाहिए।

- लखनऊ विश्वविद्यालय की डीन छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू ने मेस में परखी भोजन की गुणवत्ता

शांति बनाए रखनी होगी। टीम ने उनके कमरे, मेस, कुकिंग एरिया, डाइनिंग और कॉमन रूम की भी जांच की और उनकी सभी समस्याएं सुनीं। इसके बाद उन्होंने लावण्य गर्ल्स हॉस्टल का दौरा किया और मेस के भोजन की गुणवत्ता की जांच की और मेस मेन्यू के संबंध में छात्राओं से संवाद भी किया।

टीम ने छात्रावास के निर्माण, मरम्मत और रखरखाव की स्थिति की जांच करने के लिए डॉ. बीआर अंबेडकर लॉ गर्ल्स हॉस्टल का निरीक्षण किया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 5

छात्र कल्याण टीम ने सुनी विद्यार्थियों की समस्याएं

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। छात्रों की बेहतरी की दिशा में कदम

लविवि के द्वितीय परिसर में किया छात्रावासों का निरीक्षण

उठाते हुए डीन छात्र कल्याण टीम जिसमें डीएसडब्ल्यू प्रो.संगीता साहू सहायक डीएसडब्ल्यू प्रो.अशोक कैथल, डॉ.राहुल पांडेय और डॉ.अनुपमा श्रीवास्तव, चीफ प्रोवोस्ट प्रो.अनूप कुमार सिंह, अतिरिक्त चीफ

प्रोवोस्ट डॉ.राजेश्वर यादव तथा प्रॉक्टोरियल बोर्ड के डॉ.ओपी शुक्ला ने रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर के सभी छात्रावासों का दौरा किया। डीएसडब्ल्यू टीम ने लॉ बॉयज हॉस्टल के छात्रों को आश्वासन दिया कि एक सप्ताह के भीतर सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी और उन्हें परिसर में शालीनता और शांति बनाए रखनी होगी। टीम ने उनके कमरे, मेस, कुकिंग एरिया, डाइनिंग और कॉमन रूम की भी जांच की और उनकी सभी समस्याएं सुनी। इसके बाद उन्होंने लावण्य गर्ल्स हॉस्टल का दौरा किया और मेस के भोजन की गुणवत्ता की जांच की और मेस मेन्यू के संबंध में छात्राओं से संवाद भी किया। इसके बाद पूरी टीम ने छात्रावास के निर्माण, मरम्मत और रखरखाव की स्थिति की जांच करने के लिए डॉ.बीआर अंबेडकर लॉ गर्ल्स हॉस्टल का निरीक्षण किया। लॉ, बीबीए, एमबीए व अन्य के ऑनर्स प्रथम और अंतिम वर्ष की छात्राओं से भी छात्रावास की सुविधाओं के बारे में बातचीत की। सभी छात्राओं ने बताया कि भोजन की सुविधा पहले से बेहतर हुई है।

डीएसडब्ल्यू डॉ. संगीता साहू ने छात्रों की बेहतरी के लिए कॉमन हॉल में आधुनिक सुविधाओं के साथ कुछ संशोधनों का सुझाव दिया ताकि वे कॉमन हॉल में गुणवत्तापूर्ण समय बिता सकें और आनंद उठा सकें उन्होंने छात्रावास की आंतरिक समितियों जैसे अनुशासन, भोजनालय और सांस्कृतिक समितियों पर भी ध्यान दिया और जोर दिया कि इन समितियों की छात्रावास की गतिविधियों में भागीदारी होनी चाहिए। छात्रावास की नवागंतुक छात्राएं बातचीत के दौरान बहुत उत्साहित थी और टीम ने उन्हें उनके आगामी प्रयासों के लिए बधाई दी।

LOKSATYA PAGE 3

रैन बसेरे के बच्चों के बीच मनाई गई पंडित दीन दयाल उपाध्याय जयंती

लखनऊ। बच्चे देश की पूंजी हैं और उनका हुनर धरोहर, दीन दयाल उपाध्याय के चिंतन में बच्चों शिक्षा केंद्र में थी और उन्होंने हमेशा हर मंच से मुखर होकर बाल शिक्षा की वकालत भी की। ये उद्गार आज चिनहट स्थित रैनबसेरे के बच्चों के बीच लखनऊ विश्वविद्यालय स्थित पंडित दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रोफेसर अनूप कुमार भारतीय ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमारी कुलाधिपति श्रीमती आनंदी बेन पटेल बच्चों के समग्र विकास को लेकर विकास कार्यक्रम बनाने के लिए सदा मार्गदर्शन प्रदान करती रहती हैं और हमारे कुलपति प्रो. आलोक राय बच्चों के लिए काम करने को हमेशा प्रेरित करते हैं। आज इन बच्चों के बीच शोध पीठ के अंतर्गत हम लोगों का आना उपाध्याय जी के अंत्योदय से ही सम्भव हुआ है। लोकसत्य

एलयू सेकेंड परिसर में बढ़ेंगी और सुविधाएं

लखनऊ, लोकसत्य

छात्रों की बेहतरी की दिशा में कदम उठाते हुए, डीन छात्र कल्याण टीम जिसमें डीएसडब्ल्यू प्रो. संगीता साहू, सहायक डीएसडब्ल्यू प्रो. अशोक कैथल, डॉ. राहुल पांडे और डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, चीफ प्रोक्टोर प्रो. अनूप कुमार सिंह, अतिरिक्त चीफ प्रोक्टोर प्रो. राजेश्वर यादव तथा प्रॉक्टोरियल बोर्ड के डॉ. ओ पी शुक्ला ने रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर के सभी छात्रावासों का दौरा किया।

डीएसडब्ल्यू टीम ने लॉ बॉयज हॉस्टल के छात्रों को आश्वासन दिया कि एक सप्ताह के भीतर सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी और उन्हें परिसर में शालीनता और शांति बनाए रखनी होगी। टीम ने उनके कमरे, मेस, कुकिंग एरिया, डाइनिंग और कॉमन रूम की भी जांच की और उनकी सभी समस्याएं सुनीं। इसके बाद उन्होंने लावण्य गर्ल्स हॉस्टल का दौरा किया और मेस के भोजन की गुणवत्ता की जांच की और मेस मेन्यू के संबंध में छात्राओं से संवाद भी किया। इसके बाद पूरी टीम ने छात्रावास के निर्माण, मरम्मत और रखरखाव की स्थिति की जांच करने के लिए डॉ. बीआर अंबेडकर लॉ गर्ल्स हॉस्टल का निरीक्षण किया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि के अधिकारियों ने किया छात्रावासों का दौरा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों की बेहतरी की दिशा में कदम उठाते हुएए डीन छात्र कल्याण टीम जिसमें डीएसडब्ल्यू प्रो. संगीता साहू, सहायक डीएसडब्ल्यू प्रो. अशोक कैथल, डॉ. राहुल पांडे और डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह, अतिरिक्त चीफ प्रोवोस्ट डॉ. राजेश्वर यादव तथा प्रॉक्टोरियल बोर्ड के डॉ. ओ पी शुक्ला ने रविवार को विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर के सभी छात्रावासों का दौरा किया।

डीएसडब्ल्यू टीम ने लॉ बॉयज हॉस्टल के छात्रों को आश्वासन दिया कि एक सप्ताह के भीतर सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी और उन्हें परिसर में शालीनता और शांति बनाए रखनी होगी। टीम ने उनके कमरे, मेस, कुकिंग एरिया, डाइनिंग और कॉमन रूम की भी जांच की और उनकी सभी समस्याएं सुनीं। इसके बाद उन्होंने लावण्य गर्ल्स हॉस्टल का दौरा किया और मेस के भोजन की गुणवत्ता की जांच की और मेस मेन्यू के संबंध में छात्राओं से संवाद भी किया। इसके बाद पूरी टीम ने छात्रावास के निर्माण, मरम्मत और रखरखाव की स्थिति की जांच करने के लिए डॉ. बीआर अंबेडकर लॉ गर्ल्स हॉस्टल का निरीक्षण किया।

रैन बसेरे के बच्चों के बीच मनायी गयी पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती

लखनऊ। बच्चे देश की पूंजी हैं और उनका हुनर धरोहर, दीन दयाल उपाध्याय के चिंतन में बच्चों शिक्षा केंद्र में थी और उन्होंने हमेशा हर मंच से मुखर होकर बाल शिक्षा की वकालत भी की। ये उद्गार आज चिनहट स्थित रैनबसेरे के बच्चों के बीच लखनऊ विश्वविद्यालय स्थित पंडित दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रोफेसर अनूप कुमार भारतीय ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमारी कुलाधिपति श्रीमती आनंदी बेन पटेल बच्चों के समग्र विकास को लेकर विकास कार्यक्रम बनाने के लिए सदा मार्गदर्शन प्रदान करती रहती हैं और हमारे कुलपति प्रो.आलोक राय बच्चों के लिए काम करने को हमेशा प्रेरित करते हैं। आज इन बच्चों के बीच शोध पीठ के अंतर्गत हम लोगों का आना उपाध्याय जी के अंत्योदय से ही सम्भव हुआ है। भिक्षावृत्ति में लिप्त इन बच्चों के उदय से ही हम अंत्योदय के लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं।

आज यहाँ उम्मीद संस्था के संयुक्त तत्वधान में पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती की पूर्व संध्या पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें प्रमुख था भिक्षा से शिक्षा की ओर। जिसके अंतर्गत बच्चों के बीच उपाध्याय जी की जीवनी पर बनी एक लघु फि ल्म दिखा कर एक प्रश्नोतरी आयोजित की गयी। जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इसके अतिरिक्त एक कला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें बच्चों ने देश प्रेम से सम्बंधित चित्रकारी प्रस्तुत की।सही सवालों का जवाब देने वाले बच्चों को पेंसिल पाउच, स्टेशनरी किट आदि देकर पुरुस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों में स्वल्पाहार का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में डॉ. रोहित मिश्र, उम्मीद संस्था के सचिव बलवंत सिंह मान, हरप्रीत अरोड़ा, प्रताप आदि उपस्थित रहे।

बच्चे देश की पूंजी हैं और उनका हुनर धरोहर : प्रो. अनूप

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। पंडित दीन दयाल उपाध्याय के चिंतन में बच्चों की शिक्षा केंद्र में थी और उन्होंने हमेशा हर मंच से मुखर होकर बाल शिक्षा की वकालत भी की। उक्त बातें रविवार को चिनहट में बने रैन बसेरे के बच्चों के बीच लखनऊ विश्वविद्यालय स्थित पंडित दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो.अनूप कुमार भारतीय ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बच्चे देश की पूंजी हैं और उनका हुनर धरोहर है। साथ ही कहा कि कुलाधिपति श्रीमती आनंदी बेन पटेल बच्चों के समग्र विकास को लेकर विकास कार्यक्रम बनाने के लिए सदा मार्ग दर्शन प्रदान करती रहती हैं और लविवि के कुलपति प्रो.आलोक राय बच्चों के लिए काम करने को हमेशा प्रेरित करते हैं। इन बच्चों के बीच शोध पीठ के अंतर्गत हम लोगों का आना उपाध्याय जी के अंत्योदय से ही सम्भव हुआ है। भिक्षावृत्ति में लिप्त इन बच्चों के उदय से ही हम अंत्योदय के लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। उम्मीद संस्था के संयुक्त तत्वधान में पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती की पूर्व संध्या पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें प्रमुख था भिक्षा से शिक्षा की ओर। जिसके अंतर्गत बच्चों के बीच उपाध्याय जी की जीवनी पर बनी एक लघु फ़िल्म दिखाकर एक प्रश्नोत्तरी आयोजित की गयी। जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके अलावा एक कला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें बच्चों ने देश प्रेम से सम्बंधित चित्रकारी प्रस्तुत की। सही सवालों का जवाब देने वाले बच्चों को पेंसिल पाउच, स्टेशनरी किट आदि देकर पुस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों में स्वल्पाहार का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में डॉ. रोहित मिश्र, उम्मीद संस्था के सचिव बलवंत सिंह मान, हरप्रीत अरोड़ा, प्रताप आदि उपस्थित रहे।